दैनिक
न्याय साक्षी
संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना- राशिफल
रायगढ़, मंगलवार 15 अक्टूबर 2019
www.nyaysakshi.com

संपादकीय

मंदी से जद्दोजहद

आखिरकार अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की प्रमुख ने सार्वजनिक तौर पर स्वीकार कर लिया है कि दुनिया का नब्बे फीसदी हिस्सा मंदी की चपेट में है, जिसके मुकाबले को साझे कदम उठाये जाने की जरूरत है। उनकी चिंता में बड़ी बात यह है कि पटरी से उतरी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये मंदी बड़ी चुनौती है। हालांकि, इस संकट की आहट को महसूस करते हुए अर्थव्यवस्था को गति देने के लिये केंद्र सरकार ने कई चरणों में कदम उठाये हैं, मगर सार्वजनिक तौर पर मंदी की बात स्वीकार नहीं की है। बुधवार को केंद्रीय सेवारत कर्मचारियों व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में जो पांच फीसदी की वृद्धि की गई है, वह एक उपभोक्ता के रूप में उनकी क्रय शक्ति बढ़ाकर मंदी से मुकाबले के प्रयासों के रूप में ही देखी जानी चाहिए। यहां सवाल उठाया जा सकता है कि क्या केवल केंद्रीय कर्मचारी ही महंगाई की चुनौती से जूझ रहे हैं क्या अन्य राज्य कर्मचारियों और असंगठित क्षेत्रों के कर्मचारियों के बारे में नहीं सोचा जाना चाहिए वहीं मेहनत-मजदूरी से जीवनयापन करने वाले तबके के लिये राहत योजना नहीं लायी जानी चाहिए वह भी तब जब अप्रत्याशित बेरोजगारी के आंकड़े चिंता बढ़ा रहे हैं। हां, इतना जरूर है कि सरकार सफाई दे सकती है कि देश में आई मंदी के मूल में नोटबंदी और जीएसटी के कुप्रभाव नहीं है, यह एक विश्वव्यापी मंदी की प्रवृत्ति है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की नवनियुक्त प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने स्वीकार किया है कि मौजूदा वर्ष में विकास दर पिछले दशक में सबसे कम रहने वाली है, जिसके मूल में कहीं न कहीं दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्था वाले देशों अमेरिका व चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध के प्रभाव भी हैं। ऐसे में वर्ष 2009 में मंदी से निपटने के लिये किये गये साझा उपायों की उम्मीद कम ही है। दरअसल, यह टकराव केवल अमेरिका व चीन में ही नहीं है बल्कि अमेरिका का कनाडा व ब्राजील से भी है। साथ ही यूरोपीय यूनियन से भी कई आर्थिक मुद्दों को लेकर टकराव जारी है। निःसंदेह भारतीय रिजर्व बैंक को भी इस मंदी की आहट का अहसास है। यही वजह है कि उसने पिछले दिनों देश की विकास दर के लक्ष्य में बड़ी कटौती की थी, जिसके चलते शेयर बाजार भी लुढ़का था और कुछ लोग इसे स्वीकार नहीं कर रहे थे। रिजर्व बैंक ने मंदी के लक्षणों को स्वीकार करके ही कदम उठाये थे, केंद्र सरकार भी इस दिशा में बढ़ी, मगर उसने सार्वजनिक तौर पर मंदी की बात को स्वीकार नहीं किया। निःसंदेह सरकार को आत्ममंथन करना चाहिए कि जो अर्थव्यवस्था कुछ समय पहले तक दुनिया में सबसे तेज गति से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था थी, वह मंदी की चपेट में कैसे आ गई। इस चुनौती से निपटने को समग्र रणनीति बनाने की जरूरत है। केंद्र को इस बात का अहसास होना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था में ऐसी ताकत है कि वो पिछली विश्वव्यापी मंदी के दौरान वह मजबूती से खड़ी रही थी। कह सकते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय घटक हैं, मगर सरकार की तरफ से इस चुनौती से निपटने में कुछ देरी अवश्य हुई है। अब भी इतनी देर नहीं हुई है कि हम मंदी को शिकस्त न दे सकें।

शेयर बाजार में आईआरसीटीसी की बंपर लिस्टिंग, निवेशक हुए मालामाल

नईदिल्ली (आरएनएस)। आईआरसीटीसी के आईपीओ में पैसा लगाने वालों की आज लॉटरी लग गई है। आईआरसीटीसी के शेयरों की सोमवार को बीएसई पर 644 रुपये पर लिस्टिंग हुई और सुबह 10.20 बजे इसकी कीमत 691 रुपये पर पहुंच गई। इसके आईपीओ को जिस तरह का जबर्दस्त रेस्पांस मिला था उसे देखते हुए इस बात की पहले से ही उम्मीद थी। इससे लाखों निवेशक मालामाल हो गए हैं।

कंपनी का शेयर अब बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल

स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हो चुका है।

यह शेयर 320 रुपये के इशू प्राइस के मुकाबले बीएसई पर 101.25 फीसदी प्रीमियम के साथ बीएसई पर 644 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ और निफ्टी में 651 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बता दें कि स्टॉक मार्केट में किसी सरकारी कंपनी की यह सबसे सफल लिस्टिंग है। बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण (एम कैप) 10,736 करोड़ रुपये हो गया है। सुबह 10.30 बजे कंपनी का शेयर 40 अंक यानी 6.21 फीसदी के उछाल के साथ 683.25 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी का शेयर 691.25 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

एक लॉट 40 इक्विटी शेयरों का था। न्यूनतम बोली 40 इक्विटी शेयरों के लिए थी। रिटेल निवेशक अधिकतम 16 लॉट खरीद सकते थे। कंपनी ने 315 से 320 रुपये का प्राइस बैंड तय किया था और खुदरा श्रेणी के निवेशकों और पात्र कर्मचारियों के लिए आधार मूल्य पर प्रति शेयर 10 रुपये की छूट की पेशकश थी। यानी छूट के बाद आईआरसीटीसी आईपीओ का दाम 305 से 310 रुपये था। लोगों को 40 शेयर का एक लॉट खरीदने के लिए 12,200 रुपये खर्च करने पड़े।

भारतीय मूल के अभिजीत बनर्जी, उनकी पत्नी समेत तीन को मिला अर्थशास्त्र का नोबल पुरस्कार

स्टॉकहोम (आरएनएस)। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक अभिजीत बनर्जी को वर्ष 2019 का अर्थशास्त्र का नोबल पुरस्कार दिया गया है। बनर्जी के साथ उनकी पत्नी इस्तर डूफलो और माइकल क्रेमर को भी संयुक्त रूप से नोबल पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। तीनों अर्थशास्त्रियों को दुनियाभर में गरीबी दूर करने की दिशा में एक्सपेरीमेंट अप्रोच के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। नोबल पुरस्कार के तहत विजेताओं को नौ मिलियन स्वीडिश क्रोनोर प्रदान किया जाता है। स्वीडन की जानी-मानी हस्ती अल्फ्रेड नोबल के नाम पर नोबल पुरस्कारों की शुरुआत की गई थी और 1969 में पहला पुरस्कार दिया गया था।

भारत के कलकत्ता विश्वविद्यालय से 1981 में बीएससी की उपाधि ग्रहण करने के बाद बैनर्जी ने 1983 में दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से एमए की पढ़ाई पूरी की। इकनॉमिक साइंसेज कैटेगिरी के तहत यह सम्मान पाने वाले अभिजीत बनर्जी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक हैं। फिलहाल वह मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी में इकनॉमिक्स के प्रोफेसर हैं।

आई-लीग क्लब होंगे आईएसएल का हिस्सा, एकल लीग जल्द

नई दिल्ली। एशियाई फुटबॉल परिसंघ और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के शीर्ष अधिकारी सोमवार को कुआलालम्पुर में मिले और भारत में लीग फुटबॉल को लेकर रोडमैप तैयार किया। इस बैठक में यह फैसला किया गया कि 2020-21 सीजन के अंत तक आई-लीग के दो क्लबों को इंडियन सुपर लीग में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा 2022-23 और 2023-24 में आई-लीग जीतने वाले क्लबों को अगले साल आईएसएल में प्रवेश दिया जाएगा।

दोनों लीग्स के क्लबों को मिलाकर एक लीग का आयोजन होगा और इसके लिए 2024-25 सीजन तय किया गया है। अहम बात यह है कि नई लीग में प्रोमोशन और रेलीगेशन का सिस्टम लागू होगा। 2021-22 सीजन के लिए टीम को रोस्टरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 2022-23 तथा 2023-24 सीजन में आई-लीग से आईएसएल में आने वाली टीमों सेंट्रल रेवेन्यू में कोई हिस्सेदारी नहीं मिलगी, जबकि इसे दूसरी फ्रैंचाइजी टीमों में बराबर रूप से वितरित किया जाएगा।

सौरभ गांगुली के हाथ बीसीसीआई की कमान, कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी अरुण धूमल को

मुंबई। भारतीय क्रिकेट के महाराजा कहे जाने वाले बंगाल टाइगर सौरभ गांगुली का भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का नया अध्यक्ष बनना तय हो गया है। गांगुली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद के लिए सोमवार को नामांकन दाखिल किया। गांगुली के खिलाफ अध्यक्ष पद के लिए कोई और नामांकन नहीं है, इसलिए उनका बीसीसीआई का नया बॉस बनना तय है। सचिव के लिए

बीसीसीआई में नौ साल का अनुभव रखने वाले जयेश शाह, उपाध्यक्ष पद के लिए उत्तराखंड के महेश वर्मा का नाम है। संयुक्त सचिव के लिए केरल से जयेश जॉर्ज का नाम है जबकि कोषाध्यक्ष के लिए अरुण धूमल का नाम है। इसके अलावा बृजेश पटेल को आईपीएल अध्यक्ष चुना जाना तय है। जय शाह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बेटे हैं जबकि अरुण धूमल बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और मौजूदा केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के भाई हैं। अरुण धूमल अच्छे क्रिकेटर होने के साथ-साथ हिमाचल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं।

स्पेक्ट्रम की ऊंची कीमत, नेटवर्क की लागत दूरसंचार उद्योग के लिए चुनौती : एयरटेल

नईदिल्ली (आरएनएस)। स्पेक्ट्रम की ऊंची कीमत और नेटवर्क लगाने की लागत कर्ज के बोझ से दबे दूरसंचार उद्योग के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस-2019 को सोमवार को संबोधित करते हुए भारती एंटरप्राइजेज के वाइस चेयरमैन राकेश भारती मित्तल ने यह बात कही। मित्तल ने कहा कि देश में उच्च गति की ब्रॉडबैंड सेवा के लिए आप्टिकल फाइबर बिछाने की लागत का 75 प्रतिशत स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा लिया जाने वाला शुल्क होता है। उन्होंने कहा, ''स्पेक्ट्रम का मौजूदा आरक्षित मूल्य वैश्विक स्तर पर अन्य देशों की तुलना में करीब सात गुना है। स्पेक्ट्रम के ऊंचे मूल्य तथा उसके

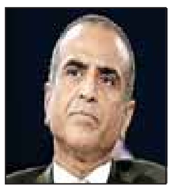

साथ साइटों और फाइबर के लिए अधिक निवेश करने की जरूरत से दूरसंचार उद्योग प्रभावित है।'' मित्तल ने बताया कि भारत में प्रति दूरसंचार ग्राहक औसत आय (एआरपीयू) मात्र 1.5 डॉलर है। अमेरिका में यह 36 डॉलर और चीन में 6.5 डॉलर है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद भारत में कंपनियों को इन देशों के समान ही निवेश करना पड़ता है।

बदलते मौसम में कभी न पीएं फ्रिज का ठंडा पानी, हो सकती है ये गंभीर बीमारी

गर्मियों के दौरान एक ग्लास ठंडे पानी की जरूरत सबको होती है. गर्मी में हर कोई ठंडे पानी से प्यार करता है. ठंडा पानी शरीर की गर्मी को कम करता है और थकान को भी दूर करता है लेकिन अब मौसम बदल रहा है. रात में तापमान काफी कम हो जाता है और सर्दी बढ़ने लगती है. ऐसे में अगर आप फ्रिज का ठंडा पानी पीएंगे तो आपको इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है.

है क्योंकि इस मौसम में संक्रमण तेजी से फैलता है. अगर आप अभी भी फ्रिज का पानी पी रहे हैं तो आज ही सावधान हो जाइए. ऐसा करने से आप कई गंभीर बीमारियों से घिर जाएंगे. आइए आपको बताते हैं इस समय ठंडा पानी पीने आपको किन समस्याओं से गुजरना पड़ सकता है.

सर्दियों की शुरुआत में या सर्दियों में ठंडा पानी पीना न सिर्फ आपका गला खराब कर सकता है, बल्कि यह आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं से भी ग्रसित करता है. जब मौसम बदलता है तो हमें ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत होती है

यदि आप नियमित रूप से फ्रिज का ठंडा पानी पीते हैं, तो आपको सांस संबंधी समस्या हो सकती है. इसका सीधा असर आपकी नाक पर पड़ेगा. इसके अलावा यह सांस लेने की प्रक्रिया को भी प्रभावित करता है. अगर आप माइग्रेन या गंभीर साइनस की बीमारी से पीड़ित हैं तो आपको इस समय फ्रिज का ठंडा पानी बिल्कुल नहीं पीना चाहिए.

मेरी सफलता में रणवीर का अहम योगदानः दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड की डिंपल गर्ल दीपिका पादुकोण का कहना है कि उनकी सफलता के पीछे रणवीर सिंह का अहम योगदान रहा है। दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार की जाती हैं। दीपिका पादुकोण डिप्रेशन को हराने के बाद अब सक्सेसफुल करियर और हैप्पी मैरिड लाइफ इंजॉय कर रही हैं। उनकी इस यात्रा में उनके पति रणवीर सिंह का काफी अहम रोल रहा है। इस बारे में दीपिका ने पत्नी फीलिंग्स जाहिर की है।

दीपिका ने रणवीर के बारे में बात करते हुए कहा, मैंने अब तक जो भी हासिल किया है उसमें से ज्यादातर को मैं रणवीर के सपोर्ट के कारण पा सकी। हम अच्छी टीम हैं। शादी से पहले सात साल तक हम दोनों ने काफी कुछ देखा। रणवीर ने मेरे गिरते-चढ़ते करियर को देखा और मेरी जिंदगी के सबसे बुरे समय यानी जब मैं डिप्रेशन में थी तब भी वह मेरे साथ थे। हम एक-दूसरे को आज भी एक्साइटिड फील करवाते हैं और एक-दूसरे को इंस्पायर करते हैं। वह मेरे बेस्ट फ्रेंड हैं।

दीपिका को फिल्म इंडस्ट्री में हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस माना जाता है। दीपिका कहा, मैं कितना कमाती हूं इस बारे में बात करना मेरे नेचर में नहीं है। हालांकि इसे लेकर मैं असमंजस में भी रहती हूं क्योंकि मुझे पता है कि आज के समय में इसे लेकर बात करना जरूरी है।

कलाकारों के लिए यह रोमांचक समय है : लारा दत्ता

अभिनेत्री लारा दत्ता भूपति एक वेब सीरीज के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। लारा का मानना है कि यह समय कलाकारों के लिए काम के लिहाज से बेहद रोमांचक है क्योंकि उन्हें इस समय न केवल फिल्मों में, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम के ऑफर मिल रहे हैं। मुंबई में हेल्थ एंड ग्लो स्टोर पर अपना स्किनकेयर ब्रांड एरियास लॉन्च करने के लिए आयोजित एक समारोह में मीडिया से बातचीत करते हुए लारा ने कहा, मुझे लगता है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म दर्शकों को अच्छी विषय सामग्री दे रहा है। अभी मुख्यधारा के कलाकार जैसे कि सैफ अली खान, अभिषेक बच्चन और मैं वेब सीरीज में काम कर रहे हैं।

उड़द दाल की पूरी बनाने की विधि...

सामग्री-

500 ग्राम-साबुत काली उड़द दाल, 10 लहसुन की कली, 4-5-हरी मिर्च, एक बड़ा टुकड़ा- अदरक, 1 टी स्पून-लाल मिर्च पाउडर, स्वादनुसार- नमक, तेल तलने के लिए

विधि-

- उड़द की पूरी बनाने के लिए सबसे पहले दाल को अच्छे से साफ करके धो लें।

- इसके बाद दाल को दरदरा मिक्सी में पीस लें।

-अब लहसुन, हरी मिर्च, अदरक को पीसकर उसका पेस्ट तैयार कर लें।

-अब आटे को छानकर उसमें दाल, लहसुन-अदरक का पेस्ट मिलाते हुए सभी चीजों को डाल दें।

-अब इस आटे को अच्छे से गूंथने के बाद इसे 10 से 15 मिनट के लिए किसी प्लेट से ढककर छोड़ दें।

-अब इस आटे की लोई को पूरी के आकार में बेल लें।

- इसके बाद एक कड़ाही में तेल गरम करके उसमें पूरी को तल लें। आपकी गरमा-गरमा पूरी बनकर तैयार हैं। उन्हें रायता या हरी चटनी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 15

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती हैं, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

1		3	■	■	4		5	■
	■	6	7			■	8	9
10				■		■	11	
	■	■	12	13		14		■
15	16		■		■		■	17
■		■	18		19		■	
20				■	21		■	
22		■		■		■	23	
24		■	■	■	25			■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 14 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

सू-दोकू- 15

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.14 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

आज का राशिफल

मेषः- रोजी-रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गयाा निर्णय कष्टकारी हो सकता है।

वृषभः- राशि स्वामी शुक्र षष्ठम भाव में और चन्द्रमा एकादश भाव में होने के कारण व्यावसायिक योजना फलीभूत होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुनः- पंचम भाव में तुला राशि का शुक्र और दशम राज्य में चन्द्रमा उत्तम फलकारक है। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। रूका हुआ कार्य संपन्न होगा। भाई व पड़ोसी का सहयोग मिलेगा।

कर्कः- राशि चंद्रमा नवम भाव में और राशि पर गुरू की पंचम स्थिति विजय विभूति कारक है। आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी।

सिंहः- राशि का द्वितीय त्रिकोण कोष भाव में स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालेगा। आजीविका की दिशा में सफलता मिलेगी। दूर की यात्रा के प्रयास सफल होंगे।

कन्याः- आपकी जन्म राशि का स्वामी बुध द्वितीय कोष भाव में विराजमान है। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे।

तुलाः- राशि से षष्ठम भाव में चन्द्रमा बड़ी मात्रा में पैसा हाथ में आने का संकेत है। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृश्चिकः- आपकी राशि का स्वामी मंगल हस्त नक्षत्र में प्रविष्ट कर गया है। पंचम प्रमुख केन्द्र में चन्द्रमा होने से व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

धनुः- राशि स्वामी गुरू यद्यपि मार्गी चल रहा है तो भी एकादश में बुध व शुक्र के योग से शिक्षा प्रतियोगिता में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मकरः- सुख भाव स्वामी भोम हस्त नक्षत्र पर प्रवेश कर गया है किन्तु कन्या राशि का होने के कारण दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा।

कुंभः- आपकी राशि का स्वामी शनि एकादश लाभ भाव में केतु से युक्त है। सूर्य शनि पिता पुत्र हैं। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मीनः- आज आपकी राशि से प्रथम घर में चन्द्रमा विजय विभूति सफलता कारक है। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्रोत बनेंगे।